भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5418

25.03.2026 को उत्तर देने के लिए

छात्राओं को विज्ञान के प्रति प्रोत्साहित करने की योजना

†5418. श्री बसवराज बोम्मईः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा बालिकाओं की विज्ञान के प्रति रुचि और रुझान बढ़ाने के लिए कोई योजना कार्यान्वित की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान जिन छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया है, उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ख): विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) 2019-20 से विज्ञान ज्योति कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रहा है ताकि मेधावी छात्राओं को उच्चतर शिक्षा और स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, और गणित) क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे वर्ष चलने वाले विभिन्न कार्यकलापों जैसे कि व्यावहारिक अनुभवात्मक सीखने के सत्र, वैज्ञानिक रोल मॉडल के साथ बातचीत, अनुसंधान एवं विकास और औद्योगिक प्रयोगशालाओं के दौरे, करियर मार्गदर्शन कार्यशालाएँ, और छात्र-माता-पिता परामर्श सत्र के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रतिभा के भंडार को बनाए रखकर स्टेम में लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करना है। ये पहलें लड़कियों को एक्सपोज़र प्रदान करती हैं और विज्ञान के प्रति उनकी रुचि और झुकाव बढ़ाने में मदद करती हैं। विज्ञान ज्योति कार्यक्रम ने अपनी शुरुआत से ही 34 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 300 जिलों से आने वालीं 1,12,600 प्रतिभाशाली लड़कियों को विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर किया है। अपने प्रभाव को और अधिक दृढ़तापूर्वक स्थापित करने के उद्देश्य से, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने 250 से अधिक प्रख्यात राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहभागिता की है, जिनमें विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालयों सहित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, सीएसआईआर प्रयोगशालाएँ और अन्य प्रतिष्ठित संगठन शामिल हैं। ये संस्थान ज्ञान सांझेदार के रूप में कार्य करते हैं और स्टेम में लड़कियों की व्यापक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के कार्यक्रम के मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन करने एवं करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित की गई छात्राओं का राज्य-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2023-24	2024-25	2025-26 (19.03.2026 तक)	कुल
अंडमान और निकोबार	100	115	100	315
आंध्र प्रदेश	880	889	900	2669
अरुणाचल प्रदेश	233	347	394	974
असम	970	1276	1398	3644
बिहार	912	1243	1197	3352
चंडीगढ़	100	103	100	303
छत्तीसगढ़	1066	1397	1398	3861
दादर, नगर हवेली, दमन और दीव	200	188	200	588
दिल्ली	195	200	200	595
गोवा	98	100	106	304
गुजरात	1703	1567	1618	4888
हरियाणा	891	1580	1604	4075
हिमाचल प्रदेश	856	972	876	2704
जम्मू और कश्मीर	589	939	897	2425
झारखण्ड	1017	1265	1287	3569
कर्नाटक	1030	1278	1300	3608
केरल	810	975	1005	2790
लद्दाख	99	200	200	499
मध्य प्रदेश	1273	1385	1398	4056
महाराष्ट्र	1496	1709	1803	5008
मणिपुर	289	463	468	1220
मेघालय	300	394	399	1093
मिज़ोरम	90	87	82	259
नागालैंड	104	97	100	301
ओडिशा	1082	1280	1300	3662
पुडुचेरी	399	396	400	1195
पंजाब	1091	1480	1501	4072
राजस्थान	1263	1712	1798	4773
सिक्किम	167	187	100	454
तेलंगाना	745	771	899	2415
त्रिपुरा	233	299	300	832
उत्तराखंड	861	900	900	2661
उत्तर प्रदेश	1502	2566	2604	6672
पश्चिम बंगाल	998	1083	1100	3181

*****